# चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द

*(प्रदेश विधायिका एक्ट के तहत 2014 ,28)*

## बी°ए°(प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-पर आधारित

सत्र 2023-24 से चरणबद्ध रूप से प्रभावी

| स्कीम | कोर्स | कोर्स कोड | कोर्स का नाम | क्रेडिट | शिक्षण | परीक्षा योजना | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | घण्टे/प्रति सप्ताह | परीक्षा अंक | आंतरिक मूल्यांकन | कुल अंक | समय |
| **सेमेस्टर-V** | | | | | | | | | |
| A&C | CC5<br>MCC9 | B23-HIN-501 | हिन्दी कथा साहित्य | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| केवलC | MCC10 | B23-HIN-502 | भाषा संरचना | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| केवलA | VOC | B23-HIN-503 | कथाकार विशेष (धर्मवीर भारती) | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| A&C | VOC | B23-HIN-504 | हिन्दी साहित्य युग विशेष (छायावाद) | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| **सेमेस्टर- VI** | | | | | | | | | |
| A&C | CC6<br>MCC11 | B23-HIN-601 | निबंधकार विशेष (बालमुकुंद गुप्त) शिवशम्भू के चिट्ठे | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| केवलC | MCC12 | B23-HIN-602 | हिन्दी साहित्य अन्य गद्य विधा : आत्मकथा (मुर्दहिया) | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| केवलA | VOC | B23-HIN-603 | हिन्दी सिनेमा | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| A&C | DSE | B23-HIN-604 | अस्मितामूलक साहित्य | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| A&C | VOC | B23-HIN-605 | अनुवाद | 4 | 3+1(Tutorial) | 70 | 30 | 100 | 3 घण्टे |
| | | | | | | | | | |

## B23-HIN-501 हिन्दी कथा साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिन्दी कथा साहित्य से अवगत । हिन्दी कहानियों का अध्ययन ।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

501.1 हिन्दी कथा साहित्य के उद्भव और विकास की जानकारी।

501.2 चिंतन और विश्लेषण क्षमता में वृद्धि।

501.3 नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों की समझ।

501.4 साहित्यिक बोध का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- व्याख्या – खण्ड में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

#### (क) व्याख्या के लिए

राही (सुभद्रा कुमारी चौहान), करवा का व्रत (यशपाल), सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती), कोसी का घटवार (शेखर जोशी), इन्स्पेक्टर मातादीन चाँद पर (हरिशंकर परसाई), कानों में कंगना (राधिकारमण प्रसाद सिंह), एक टोकरी भर मिट्टी (माधवराव सप्रे), अपना गाँव (मोहनदास नैमिशराय, लाठी (रत्न कुमार सांभरिया)

#### (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

हिन्दी कहानी का प्रारंभ : भारतेन्दु युग से प्रेमचंद युग तक, प्रेमचंद का यथार्थवाद और सामाजिक चेतना, स्वतंत्रता-पूर्व और उत्तर कालीन कहानियाँ, नई कहानी आंदोलन : अज्ञेय, मोहन राकेश, अस्तित्ववाद, हिन्दी कहानी की भाषा और शैली, कथानक, चरित्र-चित्रण, संवाद एवं संरचना।

### सहायक पुस्तकें


- नामवर सिंह – कहानी नयी कहानी
- डॉ. रामविलास शर्मा – प्रेमचंद और कहानी का विकास
- डॉ. नागेंद्र – हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास
- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – हिन्दी कहानी का विकास
- डॉ. राजेंद्र यादव – नई कहानी का आत्मसंघर्ष
- डॉ. सुदीप कुमार – समकालीन हिन्दी कहानी और विमर्श
- डॉ. काशीनाथ सिंह –हिन्दी कहानी : संरचना
- डॉ. रमेश कुंतल मेघ –हिन्दी कथा साहित्य का नव्य अध्ययन

# सेमेस्टर-V

## B23-HIN-502 भाषा संरचना

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भाषा की मूल संरचना को समझना । स्पष्ट अभिव्यक्ति के कौशल का विकास।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

502.1 व्याकरणिक ज्ञान का विकास।

502.2 शुद्ध और प्रभावी भाषा प्रयोग की क्षमता।

502.3 रचना और सृजनात्मकता में वांछित सुधार।

502.4 वाक्य निर्माण एवं पुनर्निर्माण की योग्यता का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- खण्ड क और ख – खण्ड क और ख में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्नों का उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

**खण्ड क -** हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं विकास – वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से वर्तमान हिन्दी तक, हिन्दी भाषा के विकास में भाषिक आंदोलन।

**खण्ड ख -** हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ – खड़ी बोली, ब्रज, अवधी, भोजपुरी, हरियाणवी।

**खण्ड ग -** ध्वनि और उच्चारणशास्त्र – ध्वनि, वर्ण, शब्द, पद, स्वनिम, खण्डेय ध्वनि, खण्डेयतर ध्वनि, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, काल, कारक।

**खण्ड घ -** हिन्दी भाषा का तकनीकी व प्रशासनिक प्रयोग – राजभाषा के रूप में हिन्दी, राजभाषा अनुच्छेद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, कंप्यूटर और हिन्दी प्रयोग, टाइपिंग सॉफ्टवेयर।

### सहायक पुस्तकें


- डॉ. शिव सिंह – हिन्दी भाषा इतिहास और vikas
- डॉ. मनोज सिंह – हिन्दी और computer
- डॉ. प्रमोद पांडे – हिन्दी भाषा और इंटरनेट
- भोलानाथ तिवारी – हिन्दी भाषा की संरचना
- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव – हिन्दी भाषा की संरचना के विविध आयाम
- गोपालराय – हिन्दी भाषा का विकास
- रामप्रकाश, श्यामबाबू शर्मा, सरलता – हिन्दी भाषा संरचना और भाषाविज्ञान

# सेमेस्टर-V

## B23-HIN-503 कथाकार विशेष (धर्मवीर भारती)

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

धर्मवीर भारती के साहित्यिक योगदान की समझ। प्रेम और नैतिकता के बोध को विकसित करना।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

503.1 प्रेम और नैतिकता का बोध।

503.2 नैतिक मूल्यों मानवीय संवेदनाओं की समझ।

503.3 आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमता मे वृद्धि।

503.4 रचनात्मक प्रेरणा का स्त्रोत।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- व्याख्या – खण्ड में निर्धारित खण्ड क में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकार व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

#### (क) व्याख्या के लिए

उपन्यास – गुनाहों का देवता

#### (ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरीय प्रश्नों के लिए

धर्मवीर भारती का साहित्यिक योगदान, गुनाहों का देवता के प्रमुख पात्र, तात्विक समीक्षा, उपन्यास की प्रासंगिकता, चित्रित यथार्थ, चंदर व सुधा के प्रेम की त्रासदी, नैतिकता व प्रेम, गुनाह और देवत्व प्रतीक रूप में, उपन्यास का मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन, मानसिक द्वन्द्व, स्त्री मन की पीड़ा, भाषा और शिल्प

### सहायक पुस्तकें


- धर्मवीर भारती – गुनाहों का देवता
- डॉ. रामस्वरुप चुतर्वेदी – धर्मवीर भारती व्यक्तित्व, कृतित्व
- डॉ. विजयबहादुर सिंह – धर्मवीर भारती विचार और विधाएं
- जैनेंद्र कुमार – विवाह, प्रेम और नैतिकता
- प्रमोद रोरिया – यथार्थ की परछाइयाँ
- पवन कुमार निराला – यथार्थ
- फ्रायड – मनोविश्लेषण
- डॉ. राजकिशोर – नैतिकता के नए सवाल

# सेमेस्टर-V

## B23-HIN-504 हिन्दी साहित्य युग विशेष (छायावाद)

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

छायावाद काव्य और उसकी विशेषताओं को समझना। प्रमुख छायावादी कवियों की रचनाओं का अध्ययन।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

504.1 भावनात्मक अभिव्यक्ति की समझ और विकास।

504.2 भाषा और साहित्यिक सौन्दर्य बोध का विकास।

504.3 आत्मबोध का संवर्धन।

504.4 रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- व्याख्या – खण्ड में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्नों का उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

#### (क) व्याख्या के लिए

जयशंकर प्रसाद – कामायनी के श्रद्धा और लज्जा सर्ग, निराला – सरोज स्मृति

#### (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

छायावाद की भूमिका एवं काव्यगत विशेषताएं, छायावाद की परिभाषा एवं संकल्पना, छायावाद का उद्भव व पृष्ठभूमि, छायावाद के स्तम्भ, प्रकृति चित्रण लाक्षणिकता, नारी के प्रति दृष्टिकोण, भाषा और शैली।

### सहायक पुस्तकें


- रामविलास शर्मा – छायावाद एक पुनर्मूल्यांकन
- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – छायावाद और उसका युग
- डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी – छायावाद स्वरूप और मूल्यांकन
- डॉ. रामनारायण शुक्ल – छायावाद की काव्य दृष्टि
- चन्द्रदेव यादव – छायावादी आलोचना
- नामवर सिंह – छायावाद
- राजेश कुमार गर्ग – छायावाद का पुनः पाठ
- जयशंकर प्रसाद – कामायनी
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – अनामिका

# सेमेस्टर-VI

## B23-HIN-601 निबंधकार विशेष (बालमुकुंद गुप्त) शिवशम्भू के चिट्ठे

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक हिन्दी निबंध को समझना। समाज सुधार एवं सामाजिक चेतना का विकास।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

601.1 सांस्कृतिक एवं समाज सुधार की समझ।

601.2 देश-प्रेम, राष्ट्रभाषा की महत्ता व राष्ट्रचेतना की समझ।

601.3 रचनात्मक एवं आलोचनात्मक क्षमता।

601.4 साहित्यिक एवं ऐतिहासिक योगदान की सम्यक जानकारी।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- व्याख्या – खण्ड क में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्नों के उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

#### (क) व्याख्या के लिए

निबंध संग्रह – शिवशम्भू के चिट्ठे (लॉर्ड कर्जन के नाम- 8)

#### (ख) आलोचनात्मक एवं लघुत्तरीय प्रश्नों के लिए

बालमुकुंद गुप्त – जीवन और साहित्यिक परिचय, बालमुकुंद गुप्त और नवजागरण, नवजागरण और आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका ; बालमुकुंद गुप्त की समाज सुधार दृष्टि और व्यंग्यात्मक शैली ; बालमुकुंद गुप्त के निबंधों का साहित्यिक महत्त्व ; निबंधकार के रूप में बालमुकुंद गुप्त का स्थान ; पत्रकार के रूप में बालमुकुंद गुप्त।

### सहायक पुस्तकें


- बालमुकुंद गुप्त – शिवशम्भू के चिट्ठे
- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – भारतेन्दु और हिन्दी नाटक
- डॉ. नामवर सिंह – भारतेन्दु : साहित्य और समाज
- डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र नाटक और विचार
- अभिषेक मिश्रा – बालमुकुंद गुप्त का गद्य साहित्य
- नत्थन सिंह – बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली
- कृष्ण बिहारी मिश्र – पत्रकारिता के युग निर्माता बालमुकुंद गुप्त

# सेमेस्टर-VI

## B23-HIN-602 हिन्दी साहित्य अन्य गद्य विधा : आत्मकथा (मुर्दहिया)

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

भावनात्मक एवं सामाजिक संवेदनशीलता। नैतिक संदेश, सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

602.1 भावनात्मक एवं नैतिक-सामाजिक संवेदनशीलता का विकास।

602.2 सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ की समझ।

602.3 तर्कशक्ति, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

602.4 आत्मकथा साहित्य की समझ और साहित्यिक रूपांतर।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- ☞ व्याख्या – पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं में से चार पाठांश दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही दो पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पाठांश के लिए 06 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 12 अंक का होगा।
- ☞ आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से आंतरिक विकल्प सहित तीन प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचना ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 30 अंक का होगा।
- ☞ लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकार व रचना की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- ☞ वस्तुनिष्ठ प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से आठ प्रश्न दिए जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 08 अंक का होगा।
- ☞ आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

#### (क) व्याख्या के लिए

मुर्दहिया (आत्मकथा)

#### (ख) आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए

तुलसीराम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, मुर्दहिया का मूल प्रतिपाद्य, तुलसीराम की लेखन शैली, दलित विचारक और स्वानुभूति, प्रासंगिकता, आत्मकथा में चित्रित यथार्थ के विविध रूप, जाति-पाति संघर्ष और चेतना, भाषा-शैली, सामाजिक परिवेश और वातावरण इत्यादि।

### सहायक पुस्तकें


- 🕮 डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया
- 🕮 अजय नावरिया – दलित साहित्य: प्रतिरोध/अधिकार/समता
- 🕮 कृष्णदत्त पालीवाल – उत्तर आधुनिकतावाद और दलित साहित्य
- 🕮 डॉ. रामचन्द्र – दलित विमर्श की अवधारणा
- 🕮 डॉ. सुभाष शर्मा – आत्मकथा और दलित चेतना
- 🕮 डॉ. रामविलास शर्मा – हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं
- 🕮 डॉ. धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दी गद्य स्वरूप और समस्याए

# सेमेस्टर-VI

## B23-HIN-603 हिन्दी सिनेमा

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

फिल्म और साहित्य के अंतर्संबंध को समझना। सिनेमा को सामाजिक दस्तावेज के रूप में पढ़ना।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

603.1 हिन्दी सिनेमा का विकास।

603.2 सिनेमाई भाषा और तकनीकी समझ।

603.3 साहित्य और सिनेमा के संबंध की समझ।

603.4 फिल्मों की आलोचनात्मक समीक्षा करने की क्षमता का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिए जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- अति लघु-उत्तरीय प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से छह अति लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 5 प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 10 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

**खण्ड क -** निर्धारित फिल्में – दंगल, सितारे ज़मीन पर, तीसरी कसम, फूले।

दंगल में खेल और स्त्री, सितारें ज़मीन पर में बच्चे का मनोवैज्ञानिक पहलू, तीसरी कसम में प्रेम और त्याग, ग्रामीण भारत का जीवन व संस्कृति, फूले में सामाजिक विषमता एवं शिक्षा।

**खण्ड ख -** हिन्दी सिनेमा का उद्भव एवं विकास, सिनेमा और साहित्य का अंतर्संबंध, निर्धारित फिल्मों का आलोचनात्मक अध्ययन, चित्रित सामाजिक समस्याएं, लघु समीक्षा, तकनीकी पक्ष, निर्देशन एवं कला पक्ष, संवाद योजना, उद्देश्य।

### सहायक पुस्तकें


- प्रो. रमा – सिनेमा और साहित्य
- द्वारिका प्रसाद अग्रवाल – सिनेमची
- मनमोहन चड्ढा – हिन्दी सिनेमा का इतिहास
- डॉ. सुधाकर उपाध्याय – प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं सिनेमा पटकथा
- विजय शर्मा – महादेशों का शर्मा
- कुँवर नारायण – लेखक का सिनेमा
- राजनारायण शुक्ल – भारतीय सिनेमा का सफरनामा।

# सेमेस्टर-VI

## B23-HIN-604 अस्मितामूलक साहित्य

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

वांछित वर्गों की पहचान और अस्मिता की स्थापना। समावेशिता और बहुलता का विकास।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

604.1 अस्मिता की अवधारणा की समझ।

604.2 हाशिये की आवाज़ों को पहचानने की क्षमता।

604.3 समकालीन विमर्शों से सशक्त जुड़ाव।

604.4 रचनाओं का आलोकनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिए जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक ढंग से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खण्ड कुल 40 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – निर्धारित रचनाकारों व उनकी रचनाओं की मूल संवेदना एवं विषयवस्तु पर केंद्रित सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर लगभग 200 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- अति लघु-उत्तरीय प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से छह अति लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्ही 5 प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 02 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 10 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य (Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

**खण्ड क -** आदिवासी साहित्य - जसिन्ता केरकेट्टा (कविताएं – सपाट सड़क पर, परवाह)।

**खण्ड ख -** स्त्री विमर्श – महादेवी वर्मा (निबंध – युद्ध और नारी)

**खण्ड ग -** दलित साहित्य – सूरजपाल चौहान (कहानी – घाटे का सौदा), ओमप्रकाश वाल्मीकि (प्रमोशन), सुशीला टाकभौरे – सिलिया।

### सहायक पुस्तकें

- सूरजपाल चौहान – हैरी कब आएगा (कहानी संग्रह)।
- ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम (कहानी संग्रह)।
- सुशीला टाकभौरे – संघर्ष (कहानी संग्रह)।
- महादेवी वर्मा – शृंखला की कड़ियां।
- जसिन्ता केरकेट्टा – अंगारे, जड़ों की जमीन, ईश्वर और बाजार (काव्य संग्रह)।
- ओमप्रकाश वाल्मीकि – दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र।
- डॉ. महेंद्र कुमार – दलित विमर्श और सुशीला टाकभौरे का साहित्य।
- रमणिका गुप्ता – भारत का आदिवासी स्वर।
- रमणिका गुप्ता – पूर्वोत्तर आदिवासी सृजन स्वर।
- डॉ. मोहन चौहान – आदिवासी साहित्य।
- राजेंद्र यादव – स्त्री विमर्श अगला दौर।
- डॉ. मोहन चौहान – आदिवासी साहित्य।

# सेमेस्टर-VI

## B23-HIN-605 अनुवाद

क्रेडिट : 4 अंक : 100

समय : 3 घण्टे परीक्षा अंक : 70, आंतरिक मूल्यांकन : 30

### पाठ्यक्रम का उद्देश्य

अनुवाद कला विकसित करना।पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम।

### पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

605.1 अनुवाद के क्षेत्र और महत्व से अवगत।

605.2 अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान।

605.3 प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए अनुवाद क्षमता का विकास।

605.4 अनुवाद के लिए आलोचनात्मक व विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास।

### परीक्षा के लिए निर्देश

- आलोचनात्मक प्रश्न – निर्धारित पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प सहित एक प्रश्न दिया जाएगा। परीक्षार्थी को प्रश्न का उत्तर आलोचनात्मक रूप में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 40 अंक का होगा।
- लघु-उत्तरीय प्रश्न – समस्त पाठ्यक्रम में से सात प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में हो। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। यह खंड कुल 20 अंक का होगा।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न – इकाई 4 में से परीक्षार्थी को निर्दिष्ट विषयों पर हिन्दी भाषा में दो अपठित गद्यांश दिए जाएंगे जिनमें से किसी एक का अंग्रेजी अनुवाद करना होगा। यह खंड कुल 10 अंक का होगा।
- आंतरिक मूल्यांकन – नियत कार्य )Assignments/Project/Case Study) हेतु व्यावहारिक विषय दिए जाएं, ताकि स्वं अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक सूझ के आधार पर विद्यार्थी के ज्ञान एवं प्रतिभा का संवर्धन हो।

### पाठ्यक्रम

**खण्ड क -** अनुवाद अर्थ, स्वरूप और विस्तार, अनुवाद और भाषा का संबंध; स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अनुवाद विज्ञान , भारतीयअनुवाद की परम्परा, अनुवाद और रोजगार।

**खण्ड ख -** अनुवाद प्रक्रिया (पाठ विश्लेषण के स्तर पर ): अनुवाद के समझने की दृष्टि – (पाठपरक और प्रक्रियापरक), अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार (भावनुवाद, छायानुवाद, शब्दानुवाद) अनुवाद के गुण, अनुवाद की समस्याएँ (अनुवाद की समस्या, अनुवादक की समस्या, पाठक की समस्या, पाठ की समस्या): अनुवाद का महत्व और औचित्य : अनुवाद की प्रासंगिकता।

**खण्ड ग -** साहित्यिक अनुवादः काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद, कार्यालयी अनुवाद, ज्ञान- विज्ञान का साहित्य और अनुवाद।

**खण्ड घ -** पर्यावरण और नारी सशक्तीकरण विषयों पर अपठित गद्यांश।

### सहायक पुस्तकें


- पूरनचंद टंडन - अनुवाद साधना
- नगेन्द्र – अनुवाद विज्ञानसिद्धांत और अनुप्रयोग :
- कृष्ण कुमार गोस्वामी – अनुवाद विज्ञान की भूमिका
- सुरेश सिंघल, पूरनचंद टंडन – सृजनात्मक साहित्य और अनुवादसं